

## शिव भोले शंकर प्यारे | By Sanjay Chauhan |

शिव भोले शंकर प्यारे,  
भक्तों के हैं रखवाले ।  
मन से जो इनको ध्यावे,  
भव से ये पार लगावे ।  
देवों ने इन्हें पुकारा,  
भोले विष पी गए सारा ।  
अमृत देवों को देकर,  
दानव संहारे ।  
शिव भोले शंकर प्यारे,  
भक्तों के हैं रखवाले-----

शेषनाग की रज्जु बनाई,  
सुमेरु की मथनी फेरे ।  
देवता सारे मिलके,  
सागर मंथन होने लगे ।  
अग्नि प्रकटि जल से,  
विष्णु मथनी फेरते जावे ।  
विष उबलने लगा,  
तन भी जलने लगा ।  
विष्णु भगवान को आकर,  
कौन बचाए ?  
शिव भोलें शंकर प्यारे,  
भक्तों के हैं रखवाले ।-----

हाहाकार मचा देवों में,  
अमृत कैसे बचावे  
न ये विष में ही मिल जावे  
नारद ने आकर समझाया,  
“जाओ शिव की शरण में,  
शिव ही संकट सारा मिटावे ।”  
सारे नमन करें,  
शिव का ध्यान धरे ।  
शिव भोले विष से ना ये,  
सृष्टि जल जाए ।  
शिव भोलें शंकर प्यारे,  
भक्तों के हैं रखवाले ।-----

शिव शंकर ने आकर देखा,  
उबल रहा विष सारा ।  
शिव ने कंठ में विष को उतारा,  
नीलकंठ कहलाए शिवजी,  
महाकाल कहलाए,  
सारे देवों को भी तारा ।  
शिव को वंदन करो,  
इनका पूजन करो,  
हम सबको तारो जैसे,  
देवों को तारा ।

शिव भोले शंकर प्यारे,  
भक्तों के हैं रखवाले ।  
मन से जो इनको ध्यावे,  
भव से ये पार लगावे ।  
देवों ने इन्हें पुकारा,  
भोले विष पी गए सारा ।  
अमृत देवों को देकर,  
दानव संहारे ।  
शिव भोले शंकर प्यारे,  
भक्तों के हैं रखवाले ।

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a4%bf%e0%a4%b5-%e0%a4%ad%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a5%87-%e0%a4%b6%e0%a4%82%e0%a4%95%e0%a4%b0-%e0%a4%aa%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%87-by-sanjay-chauhan/>